

राजपत्न, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमानल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, गुक्रवार, 29 नवस्बर, 1985/8 अग्रहायण, 1907

हिमाचल प्रदेश सरकार

सरकारी ग्रधिसूचना सं 0 उद्यान-च (11) 4/79-खण्ड-II, दिनांक 28-11-85 का प्राधिकृत हिन्दी मसीदा जैसा कि भारतीय संविधान के ग्रन्च्छेद 348 के खण्ड (3) के तहत ग्रावण्यक है।

उद्यान विभाग

ग्रधिसूचना

शिमला-2, 28 नवम्बर, 1985

संख्या उद्यान-च(11)4/79-भाग-II—डा0 यशवन्त सिंह्य परमार यूनिवसिटी ग्राफ हटिकत्चर एण्ड फारेस्ट्री सोलन ग्रध्यादेश, 1985 (ग्रध्यादेश सं0 3, 1985) की घारा 1 की उप-धारा (3) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल उक्त ग्रध्यादेश को प्रथम दिसम्बर, 1985 से लागू माने जाने का सहर्ष ग्रादेश देते हैं।

ग्रादेश द्वारा, भगत चन्द नेगी, सचिव Authorised English text of this Govt. Notification No. Udyan-Cha (11)4/79-Vol. II, dated 28-11-1985 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India.

HORTICULTURE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 28th November, 1985

No. Udyan-Cha (11)4/79-Vol. II.—In exercise of the powers vested in him under subsection (3) of section 1 of the Dr. Yashwant Singh Parmar University of Horticulture and Forestry Solan Ordinance, 1985 (Ordinance No. 3 of 1985) the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to appoint the fiirst day of December, 1985, from which the said Ordinance shall come into force.

By order,
B. C. NEGI,
Secretary.